12 korba-Bhoomi pg1_Layout 1 6/12/2024 11:36 PM Page 1

तापमान

अधिकतम 44.0 डिग्री

न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
कोरबा भूमि

बिलासपुर, गुरुवार 13 जून 2024

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

4

पीएम जनमन योजना में शामिल विकास कार्य अब किए जाएंगे शुरू

REGISTRATION OPEN
PHARMACY
D.PHARMA-B.PHARMA
M.PHARMA
NURSING
B.SC./POST BASIC/
M.SC.NURSING, GNM
SHRI RAWATPURA SARKAR GROUP OF INSTITUTIONS
7222910430/41

खबर संक्षेप

पीईटी व पीपीएचटी प्रवेश परीक्षा आज

कोरबा। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा पीईटी व पीपीएचटी प्रवेश परीक्षा 13 जून को पूर्वान्ह 9 से 12.15 बजे तथा अपरान्ह 2 बजे से 5.15 बजे तक दो पालियों में आयोजित होगी। जिसके अंतर्गत प्रथम पाली में 930 तथा द्वितीय पाली में 1305 परीक्षार्थी शामिल होंगें। परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु शासकीय ईव्हीपीजी महाविद्यालय रजगामार रोड कोरबा को मार्गदर्शन केंद्र बनाया गया है, जिसका दूरभाष क्रमांक 07759-221458 है। परीक्षा केंद्र शासकीय ईवीपीजी कॉलेज रजगामार रोड कोरबा हेतु सहायक अभियंता पीएमजीएसवाई श्रीमती यामिनी देवांगन, आईटी बाल्को उरगा रिंग रोड झगरहा हेतु सहायक अभियंता पीएमजीएसवाई मदन लाल पुरे तथा शासकीय मिनीमाता गर्ल्स कॉलेज घण्टाघर कोरबा हेतु सहायक अभियंता गृह निर्माण मण्डल कोरबा दिलीप देवांगन को ऑब्जर्वर के रूप में नियुक्त किया गया है।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक कल

कोरबा। जिले में ईद-उल-जुहा (बकरीद) पर्व शांतिपूर्वक मनाए जाने हेतु जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 14 जून को शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों/सदस्यों को उपस्थित होने हेतु कहा गया है।

निर्जला एकादशी मनाई जाएगी 17 को

कोरबा। हिंदू धर्म में एकादशी व्रत महत्वपूर्ण स्थान है। साल में 24 एकादशियां होती हैं। जब अधिकमास या मलमास आता है, तब 26 एकादशी पड़ती है। ज्येष्ठ मास की पहली एकादशी 2 जून को पड़ी थी, जो अचला एकादशी के रूप में मनाई गई थी। ज्येष्ठ मास की दूसरी एकादशी शुक्ल पक्ष में 17 जून को पड़ेगी। इस बार निर्जला एकादशी पर चित्रा नक्षत्र व परिघ योग का संयोग रहेगा। ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की एकादशी को निर्जला एकादशी कहते हैं। इस व्रत में पानी पीना भी वर्जित होता है। दरअसल, सभी एकादशी में से निर्जला एकादशी को अधिक महत्वपूर्ण माना गया है, क्योंकि इस दिन साधक बिना अन्न और जल ग्रहण किए भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की आराधना करते हैं। इस एकादशी को भीमसेनी एकादशी भी कहते हैं, क्योंकि इस व्रत का संबंध गदाधारी भीम के जीवन से भी है। सोमवार 17 जून को परिघ योग रहेगा। वहीं दोपहर 12: 48 बजे तक चित्रा नक्षत्र रहेगा।

वर्षा ऋतु में 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट पर रोक

कोरबा। वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि को ध्यान में रखकर उनके संरक्षण के लिए छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम के तहत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु घोषित किया गया है। इस अधिनियम के अंतर्गत जिले के समस्त नदियों-नालों तथा छोटी नदियों, सहायक नदियों में जिन पर सिंचाई के तालाब, छोटे-बड़े जलाशयों में सभी प्रकार का मत्स्याखेट पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। सहायक संचालक मछली पालन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार नियमों का उल्लंघन करने तथा अपराध सिद्ध होने पर छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य क्षेत्र अधिनियम के तहत 1 वर्ष का कारावास तथा 5 हजार रुपए का जुर्माने का प्रावधान है।

पीएम आवास के लिए किस्त जारी होने के बाद भी काम में नहीं आई तेजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत स्वीकृत किए गए आवासों को पूरा कराने के लिए पहली किस्त जारी होने के बाद भी काम में तेजी नहीं आई है। इधर राज्य सरकार ने पीएम आवास निर्माण को लेकर रूकी हुई किस्त भी जारी कर दिया है। किंतु उसके बाद भी कार्य शुरू नहीं होने पर किस्त को वापस करने जैसे निर्देश भी शासन स्तर से प्राप्त हुए हैं।

अलग खबर

प्रधानमंत्री आवास को लेकर राज्य सरकार की ओर से गंभीरता बरते जा रही है। प्रदेश में सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री आवास के लिए तत्काल पहली किस्त जारी की गई ताकि ऐसे आवास जो अधूरे बने हुए हैं उन्हें पूरा किया जा सके। उसके बावजूद जिले के ग्रामीण अंचलों में आवास निर्माण पर प्रगति नहीं आई है और आवास प्लिंथ लेबल तक ही तैयार हो सके हैं। कॉलम में भी केवल सरिया ही नजर आ रही है। ये स्थिति कोरबा विकास खंड अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पहाड़ी कोरवा बस्ती भुरूमाटी, दुधीटांगर ऐसे गांव हैं जो बालको से फटका पहाड़ जाने वाले मार्ग में स्थित है। उसके बावजूद काम अधूरे पड़े हुए हैं। दूधीटांगर ग्राम सड़क के किनारे स्थित है जहां आसानी से निर्माण सामाग्री पहुंचाई जा सकती है। यहां चार पहाड़ी कोरवा हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुए हैं और चारों अधूरे हैं। दूसरा गांव खेतार है पहाड़ पर स्थित इस गांव तक पहुंच मार्ग के लिए वन विभाग ने सड़क का निर्माण किया था तब से यह सड़क आज तक अपने मरम्मत को तरस रही है। बताया जाता है कि ग्राम पंचायत बेला के अंतर्गत आने वाले खेतार में 6 पहाड़ी कोरबा हितग्राहियों का आवास स्वीकृत हुए थे वे अभी अधूरे पड़े हुए हैं।

आधे अधूरे कार्यों को लेकर जिला पंचायत में हुई बैठक

अधिकारियों के निरीक्षण पर सवाल

प्रधानमंत्री आवास को लेकर जनपद पंचायत के अधिकारियों के द्वारा समय समय पर निरीक्षण किया जाता है, किंतु उसके बावजूद आवास की स्थिति ज्यों का त्यों बनी हुई है। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में आवास मित्र भी बनाए गए हैं। जिनके देखरेख में निर्माण कार्य कराने की जिम्मेदारी है, किंतु कई आवास मित्र जनपद के कर्मचारियों के साथ मिलकर ठेकेदारी करने लगे हैं। इससे स्थिति बिगड़ने के कारण कार्य पूरे नहीं हो पा रहे हैं और तकनीकी कर्मचारी जीओ टेक से कार्य चलने की जानकारी देते हैं।

कोल इंडिया बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के एमओयू स्कोर व रेटिंग को दी मंजूरी

कोल इंडिया की पांच अनुषंगी कंपनियों को मिला एक्सीलेंट रेटिंग अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कोल इंडिया की पांच अनुषंगी कंपनियों को एक्सीलेंट रेटिंग मिली है। कोल इंडिया बोर्ड की मंजूरी के पश्चात कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2022-23 का एमओयू स्कोर व रेटिंग जारी कर दी है। इसके मुताबिक बीसीसीएल, सीसीएल, एनसीएल, सीएमपीडीआइ व एमसीएल को एक्सीलेंट (उत्कृष्ट) रेटिंग प्राप्त हुई है। वहीं एसइसीएल व डब्ल्यूसीएल को वेरी गुड रेटिंग मिली है।

सहायक कंपनी इसीएल को फेयर रेटिंग मिली है। बीसीसीएल के प्रदर्शन में सर्वाधिक सुधार हुआ है। कंपनी को वित्तीय वर्ष 2021-22 में जहां 88.93 स्कोर के साथ वेरी गुड रेटिंग मिली थी। वहीं वित्तीय वर्ष 2022-23 में कंपनी को 94.05 स्कोर के साथ एक्सीलेंट रेटिंग मिली है। इसीएल का प्रदर्शन ठीक होने के बजाय और खराब हुआ है। इसीएल को वित्त वर्ष 2021-22 में 61.46 स्कोर के साथ गुड रेटिंग मिली थी वित्तीय वर्ष 2022-23 में 45.74 स्कोर के साथ कंपनी को फेयर रेटिंग मिली है। वहीं सीसीएल की बात करें, तो कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में 91.99 स्कोर के साथ एक्सीलेंट रेटिंग प्राप्त की थी। वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में 93.30 स्कोर के साथ कंपनी ने पुनः एक्सीलेंट रेटिंग मिली है।

खास बात

- बीसीसीएल व सीसीएल के प्रदर्शन में सुधार व इसीएल का हुआ खराब प्रदर्शन

फाइल फोटो

वित्तीय वर्ष 2022-23 में कोल कंपनियों के स्कोर और रेटिंग

कोल कंपनी	स्कोर	रेटिंग
बीसीसीएल	94.05	एक्सीलेंट
सीसीएल	93.30	एक्सीलेंट
एनसीएल	94.00	एक्सीलेंट
एमसीएल	94.80	एक्सीलेंट
सीएमपीडीआइ	94.33	एक्सीलेंट
एसइसीएल	88.82	वेरी गुड
डब्ल्यूसीएल	81.78	वेरी गुड
इसीएल	45.74	फेयर

एक्सीलेंट रेटिंग से बेहतर पीआरपी की उम्मीद

एमओयू स्कोर व रेटिंग की रिपोर्ट के आधार पर ही कोयला अधिकारियों का परफारमेंस रिलेटेड पे (पीआरपी) का निर्धारण होता है। कम रेटिंग होने से कंपनी के अधिकारियों को पीआरपी की राशि भी कम मिलती है। ऐसे में बीसीसीएल व सीसीएल को एक्सीलेंट (उत्कृष्ट) रेटिंग मिलने से इस बार अधिकारियों को भी अधिक पीआरपी मिलने की उम्मीद है। इस कारण अधिकारियों में हर्ष है। वहीं फेयर रेटिंग प्राप्त होने से इसीएल के अधिकारियों को बीसीसीएल व सीसीएल के अधिकारियों से कम पीआरपी मिलेगा। बीसीसीएल को एक्सीलेंट रेटिंग मिलने पर सीएमओएआइ बीसीसीएल शाखा के अध्यक्ष एके सिंह व महासचिव निर्झर चक्रवर्ती ने हर्ष व्यक्त किया है।

एसईसीएल कर्मियों का बढ़ा वेतन कोल इंडिया के कर्मचारियों का भत्ता बढ़ा

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

केंद्र में नई सरकार के कामकाज संभालने के 24 घंटों के अंदर कोल इंडिया के कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी के आदेश जारी हो गए। कोल इंडिया के महाप्रबंधक गौतम बेनर्जी के हस्ताक्षर से जारी आदेश के मुताबिक नॉन एक्जीक्यूटिव कैडर के कर्मचारी वर्ग के वीडीए (वेरिएबल डियरनेस एलाउंस) को बढ़ाकर 16.9 फीसदी कर दिया गया है।

कोल इंडिया के इस आदेश से एसईसीएल के अंतर्गत कार्यरत 35 हजार कर्मचारियों को फायदा होगा। इन कर्मियों की सैलरी में बढ़ोतरी हुई है। एसईसीएल के जनसंपर्क अधिकारी डॉ.सनीश चंद्रा के मुताबिक कोल इंडिया द्वारा जिन कर्मचारियों के वीडीए में बढ़ोतरी की गई है। उनमें सुपरवाइजर श्रेणी, क्लर्क, आपरेटर, माइनिंग सरदार और श्रमिक वर्ग शामिल है। उन्होंने बताया कि वीडीए में बढ़ोतरी का लाभ कोल इंडिया में कार्यरत 2 लाख कर्मियों को प्राप्त होगा। हरेक कर्मचारी की सैलरी में प्रति माह 2 से 3 हजार रुपए की बढ़ोतरी होगी। सितंबर में फिर रिवाइज होगी आधिकारिक जानकारी के अनुसार कोल इंडिया द्वारा वीडीए में बढ़ोतरी का आदेश 1 जून से 31 अगस्त 2024 तक प्रभावशील होगा। इसके बाद यह सितंबर में पुनः रिवाइज होगा।

खास बात

- नॉन एक्जीक्यूटिव कैडर के कर्मचारियों का 16 .9 फीसदी हुआ वीडीए

पति ने पत्नी व बेटी पर किया कुल्हाड़ी से हमला, दो गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बहुविवाह की परंपरा काफी समय से बनी हुई है और इसके कारण समाज में समस्याएं भी आती रही है। समय के साथ ऐसे मामलों में कमी आई लेकिन अभी भी कई क्षेत्रों में रिवाज जारी है और अलग-अलग कारण से मारपीट के साथ विघटन जैसी परिस्थितियां भी निर्मित हो जाती है। रामपुर गांव में दो पत्नी से संबंध रखना कोटवार पति को काफी तकलीफदेह हो गया। विवाद बढऩे पर उसने एक पत्नी पर हमला कर दिया। बचाने के दौरान पुत्री भी जख्मी हो गई।

करतला थाना अंतर्गत रामपुर गांव में यह घटना हुई है। बुधवार की सुबह सात बजे यह घटना हुई। बताया जा रहा है,कि क्षेत्र का कोटवार शरददास महंत की दो पत्नियां हैं। पहली पत्नी का नाम टीका बाई है जिससे उसकी एक पुत्री पिंकी 22 वर्ष भी है। दूसरी पत्नी के चक्कर में शरद् का पहली पत्नी से अक्सर विवाद होता था,जिसका मामला कोर्ट में विचाराधीन है। पहली पत्नी का तर्क है,कि पति उसे घर खर्च नहीं देता,जिसके कारण उसका जीना दुश्वार हो गया है। इस मामले को लेकर कोर्ट ने भी उसे फटकार लगाई है। बस इसी बात को लेकर शरद का पत्नी से विवाद हुआ और हिंसक घटना घट गई। बताया जा रहा है,कि पति-पत्नी के बीच वाद-विवाद से परिवार के अन्य लोग चिंतित हो गए। इस दौरान पति के द्वारा धारदार कुल्हाड़ी से हमला करने पर टीकाबाई बेहोश होकर गिर पड़ी और वह लहूलुहान हो गई। मां की स्थिति ने उसकी पुत्री को बेचैन कर दिया। वह अपने स्तर पर हस्तक्षेप करने के लिए आगे आई तो पिता ने उस पर भी कुल्हाड़ी चला दी। हिंसक हमले में पत्नी अपनी अंतिम सांसे गिन रही है,जबकि पुत्री की स्थिती गंभीर बनी हुई है। करतला पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। उधर दोनों पीड़ितों को आनन-फानन में करतला के सरकारी हास्पिटल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक चिकित्सा देने के साथ पीड़ितों को उनकी स्थिति के आधार पर कोरबा के मेडिकल कॉलेज हास्पिटल रेफर कर दिया है। मामले में पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही शुरु कर दी है।

रोजगार, मुआवजा को लेकर ग्रामीणों ने खोला मोर्चा, खदान में तालाबंदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल सरईपाली ओपनकास्ट कोल परियोजना से प्रभावित ग्राम पंचायत बुडबुड सहित खदान से प्रभावित ग्रामों के ग्रामीणों ने रोजगार, पुनर्वास और मुआवजा की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया। भूविस्थापितों ने एक बार फिर खदान में ताला जड़ दिया है।

भूविस्थापितों ने अपनी मांगों को लेकर एसईसीएल की सरायपाली ओपन कास्ट कोल परियोजना में बुधवार की सुबह कामबंद हड़ताल शुरु कर दिया। कुछ समय बाद क्षेत्रीय विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम भी भूविस्थापित ग्रामीणों की मांगों का समर्थन करने धरना स्थल पर पहुंच गए। विधायक श्री मरकाम ने प्रबंधन बंधन के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली और कहा कि एसईसीएल को सामाजिक सरोकार से कोई मतलब नहीं केवल अपनी जेबे भरने का काम कर रहे हैं, अधिकारी। एसईसीएल की सरायपाली ओपन कास्ट कोल परियोजना बड़ी मशक्कत के बाद 2 वर्ष पूर्व आरंभ हुआ है, लेकिन 2 साल में ही कई बार तालाबंदी की नौबत आ गई है। एक बार फिर ग्रामीणों ने एसईसीएल के खिलाफ हल्ला बोल दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि एसईसीएल के द्वारा अभी भी रोजगार, पुनर्वास, मुआवजा के कई मामले लंबित हैं जिसकी अनदेखी की जा रही है और ग्रामीणों को कार्यालय के चक्कर लगाने मजबूर किया जा रहा है। इसे लेकर पूर्व प्रस्तावित 12 जून से अनिश्चितकालीन तालाबंदी की घोषणा करते हुए लिखित में शिकायत ज्ञापन दिया गया था लेकिन एसईसीएल प्रबंधन ग्रामीणों को मना नहीं पाया और आज सरईपाली खदान पहुंचकर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने टेंट-तंबू लगाकर धरना आरंभ कर दिया और खदान में कामकाज बंद करा दिया। क्षेत्र के विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम भी ग्रामीणों की मांगों का समर्थन करते हुए स्वयं मौके पर डटे रहे। उन्होंने कहा कि एसईसीएल को केवल कोयला उत्पादन से मतलब है, आम जनता की और सामुदायिक हित का कोई सरोकार नहीं है। 2 साल से खदान आरंभ हुआ है, लेकिन खदान के 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं के लिए भटक रहे हैं। जिसकी जवाबदारी एसईसीएल की है। बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि को लेकर एसईसीएल की गंभीरता अब तक धरातल पर नहीं दिखी है। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि कुलदीप सिंह मरकाम, आसपास के ग्राम पंचायत के सरपंच पंच एवं अन्य पंचायत प्रतिनिधि, ग्रामीण जन, भू प्रभावित बड़ी संख्या में धरना स्थल पर डटे रहे। खदान में दिनभर कामकाज पूरी तरह से बंद रहा।

खदानके सामने आंदोलन करते ग्रामीण।

मामला बरपाली क्षेत्र का, घर घर लगाया गया टुल्लू पंप

टेप नल में लगा टुल्लू पम्प, लोगों को हो रही पानी की समस्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पानी की समस्या को दूर करने के लिए राज्य सरकार ने नगर निगम को टेप नल से घर घर पानी पहुंचाने की योजना को मूर्त रूप दिया है लेकिन स्थानीय लोग निगम के द्वारा लगाए गए टेप नल में टुल्लू पम्प लगा कर पानी की समस्या को बढ़ाने का काम कर रहे हैं जिसकी जानकारी होने के बाद भी निगम के अधिकरी मुखदर्शक बने हुए हैं।

गर्मी के समय में पानी की किल्लत को देखते हुए नल जल योजना को संचालित किया गया था। वो भी अब निगम की अनदेखी का शिकार होता जा रहा है। आज भी जब टेप नल की व्यवस्था की जा चुकी है उसके बाद भी टेप नल से पानी घरों तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसका कारण पानी सप्लाई में परेशानी नही है बल्कि निगम के द्वारा समय समय पर नहीं किये जाने वाले निरीक्षण का है। निगम के अधिकरी अपनी कुर्सी पर विराजमान है जिसका फायदा कुछ लोग बखूबी उठाते आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि गेवरा बस्ती बरपाली मोहल्ला में घरों घर टेप नल में टुल्लू पम्प लगा लिया गया है। टुल्लू पम्प लगाए जाने से पानी की सप्लाई टुल्लू पम्प लगाए हुए घरों में जा रही है और जो घर मे टुल्लू पम्प नहीं लगाया गया है उसके यहां पीने के पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। जबकि टेप नल में टुल्लू पम्प लगाना पूरी तरह से प्रतिबंध है जिसकी शिकायत मिलने पर निगम के अधिकरी उन घर वालो पर वैधानिक कार्यवाही कर सकते हैं लेकिन नगर निगम के अधिकारियों को शिकायत मिलने के बाद भी अपनी कुर्सी छोड़ी नहीं जा रही है। भले ही यहां आम आदमी को पानी की किल्लत से दो चार होना पड़े।

5 लोगों पर हुई थी कार्यवाही

बीते दिनों कुसमुंडा के इमलीछापर में निगम की टीम ने 5 लोगों के घरों में टुल्लू पम्प टेप नल में लगा हुआ पाया था पर उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई। कार्यवाही नहीं किये जाने से दूसरे लोग भी टुल्लू पम्प का सहारा ले रहे हैं। अब देखना होगा कि निगम की महत्वाकांक्षी परियोजना में हो रही लापरवाही का अधिकारी किस तरह से निदान करते है या फिर आने वाले समय में निगम के प्रत्येक घरों में टुल्लू पम्प का चलन हो जाएगा।

ओपन स्कूल परीक्षा साल में तीन बार करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ओपन स्कूल की एक परीक्षा, मार्च-अप्रैल में हो चुकी है। दूसरी अगस्त में होगी। इसके अलावा नवंबर-दिसंबर तीसरी परीक्षा भी आयोजित की जा सकती है। दरअसल ओपन स्कूल की ओर से दसवीं-बारहवीं की परीक्षा साल में तीन बार आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। इसे लेकर इसी हफ्ते निर्देश जारी हो सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक स्कूल शिक्षा मंत्री ने कुछ महीने पहले ओपन स्कूल की परीक्षा साल में तीन बार आयोजित करने को कहा था। इसे लेकर परीक्षा का प्रारूप तैयार किया गया है। इस साल से ही तीन बार परीक्षा आयोजित की जा सकती है। कुछ साल पहले तक इस बोर्ड की मुख्य परीक्षा साल में एक बार होती थी। दूसरी, अवसर परीक्षा थी। लेकिन दो साल पहले इसमें बदलाव किया गया। इसके अनुसार साल में दो बार मुख्य परीक्षा हो रही है। अब तीसरी भी आयोजित की जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल की ओर से दसवीं-बारहवीं की मुख्य व अवसर परीक्षा अगस्त में होगी। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। 30 जून तक आवेदन किए जा सकते हैं। जबकि विलंब शुल्क के साथ 15 जुलाई तक आवेदन किए जा सकेंगे।

12 korba-Bhoomi pg2_Layout 1 6/12/2024 11:16 PM Page 1

सलमान की पहली पेंटिंग 'यूनिटी-1' बिकने को है तैयार

मुंबई। बॉलीवुड के कई स्टार्स अभिनय के अलावा कई और चीजों में भी महारत रखते हैं। कुछ एक्टर होने के साथ-साथ अच्छे गायक होते हैं तो कुछ अच्छे डांसर। ऐसे ही फिल्म इंडस्ट्री में भाई जान के नाम से मशहूर सलमान खान अभिनय के अलावा पेंटिंग भी करते हैं। अक्सर अपने सोशल मीडिया हैंडल से वे अपने इस शौक के बारे में अपने फैंस को बताते भी रहते हैं। वहीं, अब भाई जान के दीवानों के लिए एक बड़ी खबर आई है। हाल ही में अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से बताया है कि उनकी पहली पेंटिंग जिसका नाम 'यूनिटी 1' है वह बिकने को तैयार है।

लाइफ Style

कंगना

हमारी सोच की नहीं है कोई सीमा

एजेंसी ⏭ मुंबई

कंगना रणौत अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। इसके अलावा अभिनेत्री अपने बयानों को लेकर भी सुर्खियों में छाई रहती हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने वर्क कल्चर को लेकर कुछ ऐसा लिखा है, जिसे सुन आपकी भी बेचैनी बढ़ जाएगी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर दिल्ली में पीएमओ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के वीडियो को शेयर कर अपनी बात रखी है। कंगना ने अपनी स्टोरी पर लिखा, 'हम वो लोग नहीं हैं, जिनके लिए कार्यालय इस समय शुरू होता है और इस समय समाप्त होता है। हम वो लोग नहीं हैं, हम समय से बंधे नहीं हैं, हमारी सोच की कोई सीमा नहीं है और हमारे प्रयासों के लिए कोई मापदंड नहीं है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'हमें जुनूनी वर्क कल्चर को सामान्य बनाने और वीकेंड की प्रतीक्षा करने और सोमवार के मीम्स पर रोना बंद करने की आवश्यकता है। यह सब पश्चिमी ब्रेनवॉश है... हम अभी तक एक विकसित राष्ट्र नहीं हैं... हम बिल्कुल भी उबाऊ और आलसी नहीं हो सकते हैं।'

कंगना ने अपनी स्टोरी पर लिखा, 'हम वो लोग नहीं हैं, जिनके लिए कार्यालय इस समय शुरू होता है और इस समय समाप्त होता है। हम वो लोग नहीं हैं, हम समय से बंधे नहीं हैं, हमारी सोच की कोई सीमा नहीं है और हमारे प्रयासों के लिए कोई मापदंड नहीं है।'

हॉलीवुड मसाला

'वेक अप डेड मैन' की शूटिंग शुरू

लॉस एंजिलिस। अभिनेता डेनियल क्रेग की आगामी फिल्म 'वेक अप डेड मैन' की इन दिनों शूटिंग चल रही है। ये फिल्म 'नाइव्स आउट' फ्रैंचाइजी की अगली किस्त है। दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। दर्शकों का उत्साह बढ़ाते हुए निर्देशक रियान जॉनसन ने सेट से डेनियल क्रेग की एक तस्वीर साझा की है। डेनियल फिल्म में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे। निर्देशक रियान जॉनसन ने 'वेक अप डेड मैन' के सेट से डेनियल क्रेग की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'और हम चल पड़े!

एबी को गोद लेना चाहते थे विल स्मिथ

लॉस एंजिलिस। अभिनेता विल स्मिथ को जानवरों से काफी प्यार है। अकादमी पुरस्कार विजेता ने 2007 की फिल्म 'आई एम लीजेंड' में अपने कुत्ते एबी को याद किया और कहा कि वह एक शानदार कलाकार थी। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने जर्मन शेफर्ड को गोद लेने की कोशिश की थी, जो कि ब्लॉकबस्टर में उनसे आगे निकलने के लिए जानी जाती थी। विल स्मिथ ने एक बातचीत के दौरान कहा, 'ऐसा लगता था जैसे एबी अंग्रेजी बोलती थी। वह सचमुच आपको समझ सकती थी, यह सबसे अजीब बात थी।' उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से वह एबी को घर नहीं ले जा सके, क्योंकि वह अपने परिवार की कमाने वाली थी। इसीलिए उसे यहीं रहना पड़ा।

शूटिंग से चार दिन पहले निकाली गई थीं

नई दिल्ली। टिस्का चोपड़ा हिंदी फिल्मों की जानी पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्हें आमिर खान द्वारा निर्देशित और निर्मित फिल्म 'तारे जमीन पर' के लिए जाना जाता है। हाल में वह थ्रिलर फिल्म 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं। हाल में ही अभिनेत्री ने फिल्म इंडस्ट्री में हुए बुरे अनुभव को लेकर बात की है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें साल 2016 में एक बुरे अनुभव से दो चार होना पड़ा था। वह एक प्रौजेक्ट पर काम कर रही थीं, लेकिन शूटिंग से चार दिन पहले उन्हें किसी युवा अभिनेत्री से बदल दिया गया। उन्होंने कहा, 'साल 2016 में एक निर्देशक के साथ मैं काम करने वाली थी, जिसे लेकर हमने तैयारी, वेशभूषा, डायलॉग्स पर काम करना भी शुरू कर दिया था, लेकिन शूटिंग से चार दिन पहले उन्होंने मुझे बताया कि वह किसी युवा अभिनेत्री के साथ इसे आगे बढ़ा रहे हैं।

परेशान होकर फेंक देना चाहते थे फोन...

मुंबई। अमिताभ बच्चन ने अपने एक ब्लॉग पर पोस्ट किया कि वह अपने फोन से बहुत अधिक परेशान और निराश हो चुके हैं। 'कल्कि 2898 एडी' के ट्रेलर रिलीज के बाद उन्होंने लिखा, 'मैं अपने फोन को ठीक करने की पूरी कोशिश कर रहा हूं और जो पहले सेटिंग थी, वह अचानक बदल गई, इसलिए हर तरफ से मदद लेने की कोशिश की और असफल रहा। बहुत निराशाजनक, मैं अंग्रेजी और हिंदी टाइपिंग करना चाहता था, अंग्रेजी में टाइप करके, हिंदी शब्द और यह देवनागरी में आता है, लेकिन कई घंटों तक प्रयास करने के बाद अब मैं अपने फोन को खिड़की से बाहर फेंककर तोड़ने के बहुत करीब हूं'। बाद में अमिताभ ने यह भी लिखा, 'नहीं नहीं नहीं... ऐसी किस्मत नहीं... बस गुस्सा निकाल रहा हूं।'

टीवी मसाला

अबु का निकाह हुआ पोस्टपोन

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 16' फेम और सभी के दुलारे अब्दु रोजिक का निकाह पोस्टपोन हो गया है। अब्दु पहले 7 जुलाई को मंगेतर अमीरा से निकाह करने वाले थे। लेकिन अचानक इसे टालने का फैसला लिया गया है। सोशल मीडिया सनसनी और सिंगर अब्दु रोजिक ने बीते महीने मई में यह घोषणा की थी कि वह निकाह पढ़ने वाले हैं। अमीरा से उनकी मुलाकात कुछ महीने पहले ही हुई है और दोनों ने साथ जिंदगी बिताने का फैसला किया है। अब्दु के इस ऐलान से जहां उनके फैंस बड़े खुश हैं, वहीं दुबई में हो रहे इस निकाह में कथित तौर पर सलमान खान भी शिरकत करने वाले थे। लेकिन फिलहाल इसे टाल दिया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, निकाह को टालने की वजह अब्दु रोजिक का करियर है। दरअसल, अब्दु को दुबई के कोका कोला एरिना में 6 जुलाई को होने वाली टाइटल बॉक्सिंग फाइट के लिए न्योता मिला है। यह पहली बार जब अब्दु को फाइट के लिए बुलाया गया है और वह इसे मिस नहीं करना चाहते हैं। अब्दु ने निकाह के पोस्टपोन होने पर कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे जीवन में किसी टाइटल के लिए लड़ने का मौका मिलेगा। यह साल मेरे करियर और मेरी लव लाइफ के लिए इतनी सारी अच्छी चीजें लेकर आया है। लेकिन दुर्भाग्य से, इस कारण मुझे अपने निकाह को कुछ वक्त के लिए टालना होगा, क्योंकि यह मैच हमें भविष्य के लिए बहुत बड़ी फाइनेंशियल सिक्योरिटी देगा।'

सोनम खान तीन दशक बाद करने जा रही हैं कमबैक...

नई दिल्ली। 90 के दशक में फिल्म 'त्रिदेव' के सॉन्ग 'तिरछी टोपी वाले' गाने से रातों रात स्टार बनने वाली सोनम खान लंबे समय बाद कमबैक को लेकर चर्चा में हैं। खबर मिली है कि सोनम खान बिग बॉस ओटीटी के अपकमिंग सीजन से ग्लैमर की दुनिया में वापसी कर सकती हैं। कहा जा रहा है कि 'विश्वात्मा' एक्ट्रेस सोनम खान करीब 3 दशक के गैप के बाद इस इंडस्ट्री में लौटने की तैयारी कर रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सोन 'बिग बॉस ओटीटी 3' के घर के अंदर एंट्री मारने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। कहा जा रहा है कि सोनम इस घर में बतौर कंटेस्टेंट एंट्री लेने जा रही हैं और यहीं से करीब 3 दशक के लंबे गैप के बाद वो फिर से शुरुआत कर रही हैं।

उर्फी ने आलिया व सारा पर किया अटैक?

नई दिल्ली। उर्फी जावेद अपने कपड़ों और ड्रेसिंग सेंस के अलावा बेबाक अंदाज के लिए भी चर्चित रहती हैं। लेकिन इस बार उन्होंने उन फिल्मी हस्तियों को निशाने पर ले लिया है, जो ऑडियंस के साथ कनेक्ट करने के लिए मिडल क्लास होने का नाटक करते हैं। माना जा रहा है कि उर्फी ने इसके बहाने सारा अली खान और आलिया भट्ट को टारगेट किया है। उर्फी जावेद ने कहा, 'जब अमीर मशहूर हस्तियां यह दिखावा करती हैं कि उनकी परवरिश मिडल क्लास परिवार में हुई और बहुत खराब थी, तो मुझे अंदर तक चिढ़ होती है। हम जानते हैं कि तुम अमीर थे। हम बिल्कुल मिडल क्लास थे। हमने कभी फर्स्ट क्लास फ्लाई नहीं किया। हम इकॉनमी में फ्लाई करते थे। अरे हमने कभी प्लेन नहीं देखा था यार। तुम कैसी बातें कर रहे हो यार? उर्फी जावेद ने आगे कहा, 'जब अमीर हस्तियां मिडल क्लास की तरह नाटक करती हैं, तो वो दर्शकों के साथ जुड़ने की बहुत कोशिश करती हैं कि मैं कितनी गरीबी थी। यहां तक कि अब भी वो मिडल क्लास जैसा बर्ताव करती हैं कि मैं खर्चा नहीं करती। मैं बहुत कंजूस हूं। तो तुम कमा क्यों रही हो? तुम नौकरी कर लो। नाटक पसंद नहीं है मुझे। बस जो हो, वो रहो न। पैसा होना और उसे खर्च करना ठीक है।' उर्फी जावेद ने अपने इस बयान में कहीं किसी सेलेब या एक्ट्रेस का नाम नहीं लिया, पर माना जा रहा है कि निशाना आलिया भट्ट और सारा अली खान पर था।

डिप्रेशन में थे डायरेक्टर, बंगाली फिल्म से मिला आइडिया

एक करोड़ में बनी फिल्म से थर्रा उठा था बॉक्स ऑफिस

मुंबई। 70 के दशक को 'हिंदी सिनेमा का 'स्वर्ण युग' कहा जाता हैं। उन दिनों बॉलीवुड ने कई ऐसी फिल्में दीं, जो बाद में क्लासिक बन गईं. 70s में फैमिली ड्रामा से लेकर मसाला और कॉमेडी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर राज किया था। आज हम आपको एक ऐसी क्लासिक फिल्म के बारे में बताते हैं, जिसे 40 दिनों में शूट किया गया था और फिर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। आज से 45 साल पहले एक ऐसी फिल्म आई थी, जिसे ना सिर्फ दर्शकों ने पसंद किया बल्कि बॉक्स ऑफिस पर भी छप्परफाड़ कमाई हुई थी। दिलचस्प बात ये है कि डायरेक्टर को एक बंगाली फिल्म देखने के दौरान फिल्म का आइडिया आया था और उस वक्त वह डिप्रेशन से जूझ रहे थे। रिलीज के बाद फिल्म कल्ट क्लासिक साबित हुई। हम जिस मूवी का बात कर रहे हैं उसका नाम है 'गोल माल।' साल 1979 में रिलीज हुई इस फिल्म में अमोल पालेकर, बिंदिया गोस्वामी, उत्पल दत्त और देवेन वर्मा जैसे सितारों ने अहम भूमिका निभाई थी। इसका फिल्म का

डायरेक्शन ऋषिकेश मुखर्जी ने किया था। राही मासूम रजा और सचिन भौमिक ने मिलकर फिल्म की कहानी लिखी थी। दिलचस्प बात ये है कि ऋषिकेश मुखर्जी ने सिर्फ 40 दिनों में फिल्म की शूटिंग कंप्लीट कर ली थी। उन्होंने खुलासा किया था कि 'गोल माल' के कुछ सीन्स को छोड़कर पूरी फिल्म बांद्रा स्थित उनके बंगले अनुपमा में शूट की गई थी। अमोल पालेकर, उत्पल दत्त और बिंदिया गोस्वामी की फिल्म 'गोल माल' को बनाने में 1 करोड़ रुपए खर्च हुए थे।

एक झूठ को छुपाने के लिए उसे कई झूठ बोलने पड़ते हैं

ऋषिकेश मुखर्जी के निर्देशन में बनी 'गोल माल' की कहानी राम प्रसाद शर्मा (अमोल पालेकर) के इर्द गिर्द घूमती है, जो अपनी नौकरी को बचाने के लिए सिर्फ एक झूठ बोलता हैं। उसके बाद स्थिति ऐसी बन जाती है कि उस एक झूठ को छुपाने के लिए उसे कई झूठ बोलने पड़ते हैं। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, ऋषिकेश मुखर्जी ने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'अलाप' बनाई थी, जिसे क्रिटिक्स ने खूब सराहा था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म पिट गई थी। ऋषि ऋषिकेश मुखर्जी ने कहा, 'मैं पूरी तरह टूट गया था और कई महीनों तक डिप्रेशन से जूझता रहा। इससे बाहर निकलने के लिए मैंने एक कॉमेडी मूवी बनाने का फैसला किया। ऋषिकेश मुखर्जी ने आगे बताया कि अपने खराब दिनों के दौरान उन्होंने कांचा मीठा (खट्टा और मीठा) नाम की एक बांग्ला फिल्म देखी, जिसमें हीरो कहानियां गढ़ता था और एक झूठ को छुपाने के लिए कई कहानियां बनाता हैं।

लिस्ट में अक्षय-आमिर समेत ये नाम शामिल

बी-टाउन के इन सितारों को नहीं पसंद है पार्टियों में जाना

मुंबई। *बॉलीवुड सितारों की लाइफ काफी रंगीन होती है। ये सितारे वैसे तो अपने काम में बेहद बिजी रहते हैं। मगर जब भी इन्हें वक्त मिलता है, तो ये पार्टी करना का मौका नहीं छोड़ते हैं। बी-टाउन में आए दिन कोई न कोई पार्टी होती ही रहती है और ये पार्टियां देर रात तक चलती हैं। मगर इंडस्ट्री में ऐसे भी कई सितारे हैं, जो पार्टियों से दूरी बनाकर रखते हैं। इन सितारों का बॉलीवुड की देर-देर तक चलने वाली पार्टियों का हिस्सा बनना पसंद नहीं है।*

अक्षय कुमार : बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार का नाम इस लिस्ट में सबसे पहले आता है। अक्षय ज्यादातर पार्टियों से दूर रहना ही पसंद करते हैं। खिलाड़ी कुमार हर चीज समय के हिसाब से करते हैं। बॉलीवुड की पार्टियां देर रात में होती हैं और अभिनेता समय पर सो जाते हैं। इसलिए वह पार्टियों से दूर ही रहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई बार तो वह पार्टी शुरू होने से पहले जाकर आठ बजे तक घर भी वापस आ जाते हैं।

आमिर खान : बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट रहे जाने वाले आमिर खान का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। आमिर खान को भी पार्टियों में जाना ज्यादा पसंद नहीं है। वह ज्यादातर समय अपने काम और अपनी फिल्मों को देते हैं। ऐसे वह भी बॉलीवुड की पार्टियों से दूर ही रहते हैं।

जॉन अब्राहम : बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम इंडस्ट्री के जाने-माने सितारों में से एक हैं। जल्द ही वह फिल्म 'वेदा' में नजर आएंगे। जॉन अब्राहम का नाम भी पार्टियों में न शामिल होने वाले सितारों की लिस्ट में शामिल है। जॉन को किसी पार्टी में नहीं देखा जाता है। अभिनेता को भी बी टाउन की पार्टियों में शामिल हो पसंद नहीं है।

इन सितारों की हरकतों से हुआ पड़ोसियों की नाक में दम

मुंबई। बॉलीवुड के की सितारे अपनी बेहतरीन फिल्मों और अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। कुछ फैंस अपने अच्छे व्यवहार के लिए मशहूर हैं, लेकिन हिंदी सिनेमा में कुछ सितारे ऐसे भी हैं, जो दूसरों के लिए परेशानी का सबब बन गए थे। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे सितारों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी वजह से उनके पड़ोसी परेशान हुए हैं और उनके खिलाफ शिकायत भी की है।

प्रीति जिंटा : अपने जमाने की सबसे क्यूट एक्ट्रेस प्रीति जिंटा के पड़ोसियों ने साल 2015 में शिकायत की थी। लोगों ने कहा था, प्रीति अपने स्टार स्टेटस का नाजायज फायदा उठाती हैं। उनके पड़ोसियों का कहना था कि प्रीति अपने बाउंसर्स के साथ बगीचे और स्विमिंग पूल में जाती हैं, और जब तक प्रीति पार्क या स्विमिंग पूल में होती हैं तब तक उनके बाउंसर्स पार्क या स्विमिंग पूल में दूसरे बच्चों को नहीं आने देते हैं।

करीना कपूर : बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस ने जब अपने घर पर साल 2016 में फिल्म की सक्सेस पार्टी का आयोजन किया था, जब उस दौरान वहां काफी हंगामा हुआ। जिससे परेशान होकर पड़ोसियों ने पुलिस को बुला लिया था।

शाहिद कपूर : अक्सर फिल्मों में शांत नजर आने वाले शाहिद कपूर भी असल जिंदगी में अपने पड़ोसियों को परेशान कर चुके हैं। खबरों के मुताबिक एक्टर जब जुहू स्थित अपने घर को ठीक करवा रहे थे, तब वहां काम करने वाले मजदूरों ने आसपास के लोगों को परेशान कर दिया था, जिसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस में शिकायत तक दर्ज करवा दी थी।

शक्ति कपूर : बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता शक्ति कपूर पर एक बार इल्जाम लगा था कि उन्होंने लिफ्ट में पेशाब कर दी थी और कॉरिडोर में बिना कपड़ों के घूमते थे। शक्ति कपूर के पड़ोसियों ने उनके खिलाफ मामला थाने में दर्ज करवाया था, इसके बाद शक्ति कपूर ने अपनी गलती मानते हुए पड़ोसियों से माफी मांगी थी।

12 korba-pg3_Layout 1 6/12/2024 11:56 PM Page 1

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में घायल एसईसीएल के सीवीओ का निधन

बिलासपुर। सड़क हादसे में घायल एसईसीएल के सीवीओ जयंत कुमार खमारी का इलाज के

दौरान 12 जून को दिल्ली के मेदांता हास्पिटल में निधन हो गया। श्री खमारी एसईसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी के पद पर पदस्थ थे । ज्ञात हो कि वे शासकीय कार्य से महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड गए हुए थे और 5 जून को संबलपुर से वापस लौट रहे थे। इस दौरान रायगढ़ के पास उनकी सरकारी गाड़ी इनोवा ट्रेलर से टकरा गई, दुर्घटना में वे बुरी तरह घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें जिंदल हॉस्पिटल रायगढ़ लाया गया। इसके बाद दिल्ली के मेदांता हॉस्पिटल इलाज के लिए ले जाया गया। इलाज के दौरान 12 जून को उनका निधन हो गया। श्री खमारी के निधन से पूरा एसईसीएल परिवार स्तब्ध है। एसईसीएल परिवार ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुख को सहने के लिए शक्ति प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की है।

22 वें अंतरराष्ट्रीय जीत कून्डू चैंपियनशिप में सरगुजा ने जीता चार गोल्ड

अम्बिकापुर। मुंबई में 22वीं अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स जीत कुंन्डू चैंपियनशिप में सरगुजा के शामिल 7

खिलाड़ियों में से चार खिलाड़ियों ने गोल्ड मेडल हासिल किया है। इसके अलावा दो सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल खिलाड़ियों ने हासिल किया। बड़ी बात यह है कि इस बार भी सरगुजा की छात्र मणिपुर क्षेत्र की साक्षी साहू ने इस अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स गेम में जीत का परचम लहराते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। साक्षी साहू ने पहले भी कई गोल्ड मेडल हासिल कर क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। छत्तीसगढ़ स्पोर्ट्स जीत कून्डू एसोसिएशन के तत्वावधान में राज्य टीम के चयनित 9 सदस्यीय टीम 8 एवं 9 जून को अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, अंधेरी मुंबई में 22वीं अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स जीत कुंडू चैंपियनशिप में शामिल हुई थी। सरगुजा से अनुज बेक, मो. तौकीर रजा, साक्षी साहू, आराधना मुंडा, अनुष्का सिंह, नताशा राव, तन्मय प्रधान व टीम कोच अनिल बर्नवाल, टीम मैनेजर जीवनत्ती प्रधान व महिला कोच साक्षी साहू की टीम के साथ इस स्पर्धा में भारत, नेपाल, श्रीलंका, भूटान, मलेशिया और बांग्लादेश के लगभग 500 खिलाड़ी भाग लिए थे। मो. तौकीर रजा, साक्षी साहू, अनुष्का सिंह, नताशा राव ने प्रतियोगिता में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया है। तन्मय और अनुज बेक सिल्वर व आराधना मुंडा ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफलता हासिल कर लौटे खिलाड़ियों का रेलवे स्टेशन में ही जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान राज्य स्पोर्ट्स जीत कून्डू के अध्यक्ष अनिल बर्नवाल, सचिव बिगना मुंडा, सह सचिव पप्पू साहू सहित अन्य उपस्थित थे।

पेड़ के नीचे खड़े ग्रामीण पर गिरी डंगाल, मौत

अम्बिकापुर। पेड़ के नीचे खड़े ग्रामीण पर डंगाल गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीण को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार मनेन्द्रगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम खैरबन निवासी मुना सिंह आ. स्व. प्यारेलाल (60 वर्ष) 30 मई को पड़ोसी बसंत पेड़ पर चढ़कर डाल काट रहा था तभी मुना सिंह पेड़ के नीचे खड़ा होकर उसे देख रहा था। इसी दौरान डंगाल सीधे उसके ऊपर आकर गिरा जिससे मुना गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन घायल को मनेन्द्रगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने घायल की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान बीती रात उसकी मौत हो गई।

अंतर्राष्ट्रीय पारंपरिक दिवस पर विविध खेलों का आयोजन

माइंड गेम बच्चों के लिए बन रहा बड़ा खतरा

बच्चों को खेल का प्रशिक्षण देते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कमला नेहरू महाविद्यालय की रासेयो इकाई द्वारा गोदग्राम भादा में प्रथम अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस पर विभिन्न ग्रामीण खेलों का आयोजन किया गया। अटल बिहारी विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ.मनोज सिन्हा व महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अजय कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन व रासेयो जिला संगठक वायके तिवारी के निर्देशन में स्वयंसेवकों ने अमृत वाटिका में ग्राम के बच्चों को आमंत्रित कर बिल्लस, गोटा, चिड़िया उड़,पंजा लड़ाई, शेर बकरी, नदी पहाड़ आदि ग्रामीण खेल खिलाकर शारीरिक तंदुरुस्ती, एकाग्रता तथा फिटनेस के प्रति बच्चों का ध्यान खींचने का प्रयास किया। अनेक ऐसे खेल व शारीरिक गतिविधियां जो धीरे-धीरे विस्मृत हो रही है, बच्चों में मोबाइल एवं इंटरनेट के अधिकाधिक प्रयोग ने उनकी शारीरिक क्रियाशीलता को कम किया है तथा बच्चे शारीरिक रूप से स्थिर होकर माइंड गेम की तरफ अधिक सक्रिय हो रहे हैं जो बच्चों के स्थिर दीर्घकालिक विकास के लिए खतरा है। अंतर्राष्ट्रीय पारंपरिक खेल दिवस बच्चों को ग्रामीण परिस्थितियों के अनुरूप अधिक सक्रिय व तंदुरुस्त बनाने का अवसर देता है। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोदग्राम भादा में आयोजित किए गए खेलों में बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया तथा अपनी रुचि प्रकट की और बार-बार अधिक समय तक खेल खेलते रहने का आग्रह करते रहे। महाविद्यालय के रासेयो स्वयंसेवक देवांश कुमार तिवारी, किशन यादव, आशीष यादव आदि ने बच्चों को कुढील, पिंकी पिंकी व्हाट कलर, भोटकुल आदि ग्रामीण खेलों के बारे में जानकारी प्रदान कर उनकी जिज्ञासा को और बढ़ाने का कार्य किया। पारंपरिक खेलों में सहभागी सभी स्वयंसेवकों को स्वल्पाहार तथा विजित प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रासेयो कार्यक्रम अधिकारी जीएम उपाध्याय व श्रीमती प्रीति द्विवेदी मितानिन श्रीमती निशा यादव, महिला स्वसहायता समूह की क्लस्टर हेड कुमुदिनी यादव विशेष रूप से उपस्थित थे। पारंपरिक खेलों में कु संजू यादव, मंजू यादव, छाया यादव, साक्षी महंत, रितिका यादव, पारुल यादव, माही यादव, देवेश यादव, आरुषि महंत, दीक्षा यादव एवं बच्चों सहित अन्य लोगों का योगदान रहा।

महापौर के बाद नेता प्रतिपक्ष भी पहुंचे निरीक्षण पर, दोनों में हुई तकरार

मेयर व नेताप्रतिपक्ष में होती चर्चा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पंप हाउस में निर्माणाधीन नाला का निरीक्षण करने महापौर अधिकारियों के साथ पहुंचे थे। इसी बीच वार्डवासियों ने नेता प्रतिपक्ष हितानंद को पंप हाउस मैगजीनभाटा बस्ती बुला लिया। जहां पर नेता प्रतिपक्ष हितानंद ने नाली में हुए भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। इस दौरान कुछ समय तक माहौल गरमाया रहा।

दरअसल पहली बारिश में ही नाले के भर जाने के कारण लोग घर से निकलने को मजबूर हो गए थे लोगों के आशियाने उजाड़ने और पानी उनके घर तक पहुंच गया था। राजेश तिवारी, जितेन्द्र साहू, विनय मानिकपुरी, सरोज, और ऐसे कई अन्य लोगो के आशियाने इस बरसात में टूट सकते हैं। जिसकी सूचना मिलने पर नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभारी मंत्री अरुण साव से बात करने का आश्वाशन लोगों को दिया और निरीक्षण किया।निगम के महापौर राजकिशोर प्रसाद अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी वक्त नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल भी पहुंच गए। महापौर और नेताप्रतिपक्ष के बीच नाला निर्माण को लेकर आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया। नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल ने बताया कि वार्ड क्रमांक 14 में जहां से पार्षद बनकर महापौर बने हैं उसी वार्ड की जनता के साथ महापौर आज छलावा कर रहे है लोगो को मूलभूत सुविधा उपलब्ध नहीं कर पा रहे है।

बेहतर जीवन के लिए श्रमिकों को पेंशन का लाभ मिलना जरुरी : लखनलाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

लखनलाल।

राज्य सरकार श्रमिकों हितेषी है, सरकार की पूरी मंशा है की श्रमिकों को योजना का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। श्रमिकों के हित एवं उनके बेहतर जीवन यापन के लिए निर्माण श्रमिकों के पेंशन योजना का लाभ श्रमिकों को दिया जा रहा है। जिसमें पात्र निर्माण श्रमिकों को पेंशन राशि सीधे उनके खाते में भेजी जाएगी।

उक्त बातें बुधवार को उद्योग मंत्री व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने श्रमिक पेंशन योजना के तहत 60 वर्ष पूर्ण कर चुके आठ और श्रमिकों को पेंशन जारी करने के दौरान कही। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि श्रमिकों के हित और उनके बेहतर जीवन यापन के लिए छत्तीसगढ़ में निर्माण श्रमिकों के पेंशन योजना की शुरुआत 29 मार्च को की गई थी। इस योजना के तहत पात्र निर्माण श्रमिकों को पेंशन राशि सीधे उनके खाते में भेजी जा रही है। इसके अलावा भी कई सारे लाभ मिलेंगे। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत ऐसे पंजीकृत निर्माण श्रमिक जिनकी आयु 60 साल पूरी चुकी है, उन श्रमिकों को हर महीने 15 सौ रुपये पेंशन के रूप में दिए जाएंगे। अगर पेंशनधारी निर्माण श्रमिक की मृत्यु हो जाती है तो निर्माण श्रमिक के आश्रित (पति/ पत्नी) को 750 रूपए मासिक पेंशन दिए जाने का प्रावधान है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो भैंसों की मौत

बतौली/सेदम। बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने से जंगल में चर रहे दो भैंस चपेट में आ गए जिससे दोनो की मौके पर ही मौत हो गई। दो भैंस की मौत हो जाने पर किसान को आर्थिक नुकसान हुआ है।बतौली के दुरस्त पहाड़ी क्षेत्र ग्राम पंचायत टीरंग निवासी शिवप्रसाद पैकरा के दो भैंस घर के समीप ही जंगल में चर रहे थे। इसी दौरान तेज गरज चमक के साथ बारिश शुरू हुई। इसी बीच आकाशीय बिजली गिरने से दोनों भैंसों चपेट में आ गया जिससे दोनों भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। इधर दो भैंस की अचानक मौत हो जाने से किसान खेती किसानी को लेकर चिंतित है और किसान को आर्थिक क्षति उठाना पड़ा। इस संबंध में बतौली तहसीलदार तारा सिदार ने बताया कि पटवारी के माध्यम से जल्द ही प्रकरण तैयार कर किसान को हुए क्षति का मुआवजा दिया जाएगा।

मुआवजा की आस में बैठा व्यवसायी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

नुकसान की जानकारी देता व्यवसायी।

बुधवारी बाजार में पिछले हफ्ते आगजनी की घटना के कारण कई दुकानों को नुकसान हो गया। अलग-अलग तरह के कारोबार से जुड़े लोगों को आर्थिक चपत लगी थी। इस मामले में पुलिस और प्रशासन की टीमों ने घटनास्थल का जायजा लिया था जिसके बाद व्यापारियों में मुआवजा को लेकर आस तो बंधी है पर अब तक इस पर कोई सकारात्मक पहल देखने को नहीं मिला है।

बुधवारी बाजार में चाय नाश्ते की दुकान पर गैस सिलेंडर के अचानक ब्लास्ट होने के साथ आसपास में आग लग गई। इसके प्रभाव से कई दुकानें की चपेट में आकर बर्बाद हो गई। मौके पर रखा हजारों का सामान स्वाह हो गया। अमरिया के रहने वाले समित शाह ने बताया कि वह काफी समय से यहां पर कारोबार कर रहा है। आग लगने की घटना में उसे काफी नुकसान हुआ है इसलिए उसका सोचना है कि प्रशासन प्रभावित लोगों की सुध ले। इसी क्षेत्र में पूजा सामग्री के व्यवसाय से जुड़े हुए कोरबा निवासी बजरंग अग्रवाल को घटना में 4 लाख का नुकसान हुआ। श्री अग्रवाल ने इस बात को माना की किस्मत खराब होने के कारण घटना हुई। बुधवारी बाजार क्षेत्र में आगजनी की चपेट में 6 से अधिक दुकान आई हैं और इनमें लघु व मध्यम श्रेणी के लोगों को नुकसान हुआ है। आपदा की स्थिति में प्रशासन राजस्व परिपत्र के अंतर्गत संबंधित लोगों को क्षतिपूर्ति का भुगतान करता है।

समस्या का समाधान नहीं होने पर आंदोलन के लिए होंगे बाध्य

आंदोलन की रणनीति बनाते ग्रामीण।

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदीबाजार

एसईसीएल से प्रभावित ग्रामीणों की बैठक सरस्वती शिशु मंदिर में आहूत की गई। जिसमें एसईसीएल अधिकारियों के खिलाफ जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया। अधिकारियों की मनमानी से समस्याओं के निराकरण किए जाने के बजाए उलझाया जा रहा है।

बैठक में जिन तीन बिंदुओं पर चर्चा हुई उनमें अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा बैठक के लिए मुनादी कराई जाती है, फिर वे स्वयं बैठक में नहीं आते और दफ्तर में पंचायत प्रतिनिधियों को बुलाकर बैठक आहूत कर दबाव बनाया जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि 10 जून को एसडीएम कार्यालय में हुई बैठक में भिलाई बाजार के बच्चों को कहीं और शिफ्ट करने की बात कहीं गई जिस पर ग्रामीणों ने विरोध किया। बैठक में ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल में 700 बच्चे हैं इनको जहां शिफ्ट करने की चर्चा चल रही है वह एक छोटा केबिन है, जिसमें बच्चे नहीं बैठ सकेंगे। ग्रामीणों ने बताया कि खदानों में हो रही हैवी ब्लॉस्टिंग व डस्ट से ग्रामवासी परेशान हैं। इन मुद्दों को लेकर 13 जून को जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। अगर उनकी समस्याओं का निराकरण सात दिन में नहीं करते हैं तो ग्रामीण आंदोलन करेंगे।

20 जून को प्रकरणों की होगी समीक्षा बैठक

कोरबा। माननीय उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 29 जुलाई से 3 अगस्त तक विशेष लोक अदालत का आयोजन उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में किया जाना है। विशेष लोक अदालत हेतु माननीय उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में लंबित राजीनामा योग्य चिन्हांकित प्रकरणों को राजीनामा के माध्यम से निराकृत कराये जाने की संभावना तलाशने तथा उन्हें लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों को निराकृत कराया जाने का प्रयास करते किये जाने हेतु निर्धारित प्रारूप में नोटिस एवं सहमति पत्र प्रेषित करते हुये समस्त प्रकरणों को पक्षकारों को नोटिस जारी किया गया है। विशेष लोक अदालत की प्रीसिंटिंग की कार्यवाही किये जाने हेतु सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को नोडल अधिकारी बनाया गया है। अतः समस्त पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि इस प्राधिकरण के द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय में लंबित राजीनामा प्रकरणों में उन्हें नोटिस या सहमति पत्र प्राप्त होते है तो वे संबंधित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आकर प्रीसिंटिंग की कार्यवाही हेतु संपर्क कर सकते है, जो पक्षकार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में उपस्थित होने में असमर्थ है वे नोटिस पर दिये गये मोबाईल नंबर में संपर्क स्थापित कर विडियों कॉलिंग के माध्यम से भी प्रीसिंटिंग की कार्यवाही में भाग ले सकते है। इस प्राधिकरण के द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में रखे गये प्रकरणों की प्रीसिंटिंग बैठक 20 जून को रखी गई है, जो भी पक्षकार माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में आयोजित होने वाले विशेष लोक अदालत में अपना प्रकरण सुलह, समझौते के माध्यम से निराकरण कराना चाहते है वे संबंधित माननीय न्यायालय में संपर्क कर इस अवसर का लाभ उठावें।

लक्ष्मी ने राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता तीन गोल्ड मैडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदीबाजार

खिलाड़ियों को सम्मानित करते अतिथि।

विकासखण्ड पाली अंतर्गत ग्राम उतरदा निवासी लक्ष्मी प्रसाद मरावी का चयन राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश आयोध्या के लिऐ हुआ था। अयोध्या में यह आयोजन 4 जून से 7 जून तक भीमराव अम्बेडकर अंतर राष्ट्रीय स्टेडियम में संपन्न हुआ। लक्ष्मी प्रसाद मरावी अभी वर्तमान में 5वीं वाहिनी जगदलपुर कंगोली जिला बस्तर में पदस्थ हैं। लक्ष्मी प्रसाद मरावी प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुऐ 5 किमी, 10 किमी व 1500 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर तीन गोल्ड मेडल जीता। लक्ष्मी एक गरीब साधारण परिवार से हैं वे अपने अथक प्रयास और मेहनत से प्रतिदिन दौड़ कर पुलिस में भर्ती हुआ। उसके एथलेटिक्स के प्रति समर्पण भाव को देखते हुए छग मास्टर एथलेटिक्स एसोसिएशन ने उसका चयन किया था। लक्ष्मी प्रसाद मरावी ने बताया कि रोजाना सुबह 30 किमी और शाम को 40 किमी दौड़ कर रहा हूं। इस तरह मेरी प्रेक्टिस दौड़ प्रतिदिन 70 किमी की है। लक्ष्मी ने आयोजन में जाने से पूर्व ही कहा था कि मुझे पुरा विश्वास है कि इस प्रतियोगिता और आने वाले अन्य प्रतियोगिता मंर भी सफलता हासिल कर प्रदेश, विभाग और अपने गांव उतरदा व जिला कोरबा का नाम रौशन करुंगा और इस तरह अपने अथक प्रयास से उन्होंने तीनों दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर तीन गोल्ड मेडल जीत कर कीर्तिमान स्थापित किया अब लक्ष्मी मरावी के सामने बेस्ट बंगाल आल इंडिया पुलिस नेशनल गेम जुलाई के लिए भी बुलावा आ गया है और वे पुनः इस प्रतियोगिता में भी प्रथम आने के लिऐ पूरी तन्मयता के साथ अभ्यास में लग गया है।

न्यायालय अपर कलेक्टर कोरबा एवं विवाह अधिकारी जिला कोरबा (छ.ग.)

ईश्तहार

क्र/8536/वाचक/विवाह अधि. कोरबा/2023-24
कोरबा, दिनांक 11/06/2024
प्र.क्र. 202405052900012/11/ब-121/23-24
ग्राम मानिकपुर, तहसील व जिला कोरबा

आवेदक (वर) अभिषेक तिग्गा पिता वासुदेव तिग्गा, उम्र 24 वर्ष, जाति उरांव (वर्ग-अनुसूचित जनजाति), निवासी मकान नंबर 698, कदमहाखार मानिकपुर वार्ड नंबर 22, कोरबा तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.) एवं आवेदिका (वधु) प्रमिला साहू पिता श्याम सुंदर साहू, उम्र 25 वर्ष, जाति तेली (वर्ग अन्य पिछड़ा वर्ग) निवासी ग्राम भिलाईखुर्द, कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.) द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत आशयित विवाह हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त विवाह के संबंध में कोई आपत्ति/दावा आदि हो अथवा कुछ कहना हो तो वे प्रकरण में सुनवाई हेतु नियत पेशी दिनांक 01/07/2024 को 2 बजे तक उपस्थित होकर अपनी आपत्ति/दावा आदि प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा आदि पर कोई सुनवाई/विचार नहीं किया जावेगा और यह माना जावेगा कि आपको /किसी को इस संबंध में कुछ नहीं कहना है और सुनवाई का कोई और अवसर दिये बिना प्रकरण में अग्रेतर कार्यवाही किया जावेगा।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला कोरबा (छ.ग.)

वितरण व ट्रांसमिशन कर्मियों के बच्चों को भी मिले बस पास की सुविधाः अनिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बिजली कर्मचारियों के लिए परिचालित विभागीय बस में खासकर स्कूली बच्चों के आने जाने पास की सुविधा मिलना उनका हक है। भले ही विभाजित होकर, पर विभिन्न कंपनियों में सेवा प्रदान कर रहे बिजलीकर्मी विद्युत विभाग की ऊर्जा बन रहे हैं। पर मौजूदा समय में ट्रांसमिशन और वितरण के कर्मचारियों के लिए पूर्व में दी जा रही यह सुविधा बंद कर दी गई है। ऐसे में स्कूल खुलने के बाद इनके बच्चों को असुविधा होगी। उनकी परेशानी को ध्यान में रखते हुए वितरण व ट्रांसमिशन कंपनी के बिजली कर्मचारियों के बच्चों को भी निर्धारित शुल्क में बस पास की सुविधा मुहैया कराई जानी चाहिए।

विद्युत विभाग के वितरण व ट्रांसमिशन कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों की जरूरत और समस्या पर ध्यानाकर्षित करते हुए यह मांग छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन के प्रांतीय उपाध्यक्ष अनिल द्विवेदी ने की है। उन्होंने बच्चों का बस पास बनाने की मांग रखते हुए विद्युत उत्पादन कंपनी मर्यादित कोरबा (पश्चिम) के कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) को पत्र लिखा है। श्री द्विवेदी ने बताया कि राज्य विद्युत मंडल के अधीन कंपनी पावर जनरेशन, वितरण एवं ट्रांसमिशन के कर्मचारी छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के कोरबा (पश्चिम) के आवासीय परिसर में निवास करते है। श्री द्विवेदी ने मांग की है कि वितरण व ट्रॉसमिशन के कर्मचारियों के बच्चों के साथ पक्षपात व भेदभाव न किया जाए। उन्होंने प्रबंधन से इस सुविधा के लिए निर्धारित शुल्क के साथ बस पास बनाने संबंधित अधिकारी और शाखा को निर्देशित करने का आग्रह किया है। उत्पादन कंपनी की विभागीय चिकित्सालय में अनियमिताओं को दूर करने एवं कुछ मुद्दों पर विशेष चर्चा की।

प्रदर्शन से निपटने सीआईएसएफ ने की माकड्रील

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल गेवरा खदान क्षेत्र के डब्ल्यू-1, डब्ल्यू-5 टीआरएस क्षेत्र में केऔसुब द्वारा बुधवार को आपदा प्रबंधन पर मेगा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें गेवरा खदान के प्रभावित भू-विस्थापितों द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया जा रहा था।

इसी दौरान प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर उग्र हो जाते है एवं केऔसुब के सुरक्षा घेरे को तोड़ने का प्रयास करते है। तब केऔसुब द्वारा प्रबंधन की संपत्ति की रक्षा हेतु उग्र प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने हेतु लाठी-ड्रिल का प्रयोग किया जाता है। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी भीड़ से निकलकर डब्ल्यू-1, डब्ल्यू-5 टीआरएस क्षेत्र में सामने खड़ी एक्सप्लोसिव वैन में आग लगा देते है। उक्त उग्र प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने हेतु केऔसुब के हथियारबंद दस्ते द्वारा उच्च दर्जे की कार्यवाही करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया जाता है। एक्सप्लोसिव वैन में लगी आग को नियंत्रित करने हेतु अग्निशमन दस्ते द्वारा कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया जाता है। इस दौरान सामने ओ. बी. डंप क्षेत्र में भूस्खलन हो जाता है जिसके कारण वहां कार्य कर रहे कुछ कर्मचारी, मजदूर एवं अन्य लोग भूस्खलन में फंसकर चोटिल हो जाते है।

फसल की तैयारी में जुटा विभाग

कोरबा। मानसून के दस्तक के मद्देनजर खरीफ फसल की तैयारी में किसान जुट गए हैं। उनके साथ ही कृषि विभाग भी किसानों को बीज व खाद उपलब्ध कराने के लिए राज्य शासन को मांगपत्र भेज चुका है और सहकरी समितियों में इसके भंडारण का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। कृषि विभाग के उप संचालक द्वारा समितियों में भंडारित की गई खाद और किसानों को वितरित की जाने वाली खाद की जानकारी ली जा रही है। कृषि विस्तार अधिकारियों से किसानों के खाद भंडारण और बीज वितरण के लिए जानकारी मांगी गई है।

कोरबा मार्केट

12 korba-pg4_Layout 1 6/12/2024 11:57 PM Page 1

खबर संक्षेप

बाजार में बिकने आया जामुन

हरदीबाजार। गर्मी के मौसम में अक्सर जिले के जंगलों से प्राकृतिक फल चार, तेंदू और जामून मार्केट में पहुंच जाते थे। इस वर्ष गर्मी के मौसम में तेंदू और चार की फसल जंगलों में कम होने के कारण शहर के मार्केट में नजर नहीं आए। लोगों में इस बात की चर्चा थी कि चार और तेंदू की फसल नहीं हुई। यही उम्मीद जामुन की फसल को लेकर बनी हुई थी, लेकिन दो दिन से जिले के जंगली क्षेत्रों से जामुन के फसल की आवाक होने से बाजारों में जामुन बिकने लगे हैं। बाजार में जामुन की कीमत 60 रुपए किलो है। वहीं प्राकृतिक व जंगली फलों में तेंदू, चार, कोसम पहले जैसे बाजारों में बिकते नजर नहीं आते। समय के साथ ग्रामीण इन्हें पकने से पहले ही तोड़कर सुखाकर ऊंचे दामों में दुकानदारों को बेच रहे हैं, नतीजा आम लोगों को इनके दर्शन व स्वाद लेना सपना सा हो गया है।

सामाजिक संस्था कंचन माटी ने किया पौधरोपण

कोरबा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर

सामाजिक संस्था कंचन माटी द्वारा पौधरोपण तथा जल जंगल जमीन संरक्षण बिषय पर संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए संस्था के अध्यक्ष श्रीमती रमा राज ने कहा कि जिस तरह से दिनों दिन तापमान में वृद्धि हो रही है। इससे हमें प्रकृति द्वारा स्पष्ट संदेश दिया जा रहा है कि पौधरोपण कार्य को एक आंदोलन के रूप में सम्पूर्ण विश्व में शुरूवात करने की आवश्यकता है। इस दिशा में कंचन माटी द्वारा प्रत्येक वर्ष एक हजार वृक्षारोपण करने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में विमला कंवर, विदयोन्ति पोर्ते, माधुरी ध्रुव ने अपने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य सम्मत श्रोते अरूणा मार्को, मोना सिंह ध्रुव, देवकी ध्रुव दीपिका, समीक्षा, निर्मल राज जवाहर सिंह मार्को, गेंद लाल, अवध राम, मुकुंद श्रोते गंगा कंवर, रमेश सिरका, विक्रम सिंह कंवर सहित सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पीईटी व पीपीएचटी प्रवेश परीक्षा के लिए उड़नदस्ता नियुक्त

कोरबा। व्यापमं द्वारा आयोजित पीईटी व पीपीएचटी प्रवेश परीक्षा 13 जून को दो पालियों में आयोजित होगी। परीक्षा केंद्रों के आकस्मिक निरीक्षण हेतु उड़नदस्ता दल नियुक्ति की गई है, जिसके अंतर्गत सहायक सांख्यिकी अधिकारी कोरबा एमआर डहरिया, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुदुरमाल टीडी टोण्डे तथा व्याख्याता सेजेस गोपालपुर श्रीमती ललिता पटेल को उड़नदस्ता नियुक्त किया गया है। उक्त परीक्षा के लिए कलेक्टर कार्यालय कोरबा के कक्ष क्रमांक 6 वरिष्ठ लिपिक या परीक्षा शाखा में अस्थायी कंट्रोल रूम स्थापित कर अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी परीक्षा दिवस को प्रातः 9 बजे से परीक्षा समाप्ति तक के लिए लगाई गई है।

निधन

पीतांबर सिंह कंवर

भैसमा। ग्राम भैसमा के प्रतिष्ठित नागरिक पीतांबर सिंह कंवर 84 वर्ष स्वर्गवास हो गया है।

पीतांबर सिंह कंवर भूमि विकास बैंक एवं सहकारी समिति भैसमा के भूतपूर्व अध्यक्ष रहे हैं। वे अपने पीछे 2 पुत्री एवं नाती-पोतों से भरा पूरा परिवार रोता बिलखता छोड़ गए हैं। उनकी अंतिम संस्थार स्थानी मुक्तिधाम में किया गया।

चार माह पूर्व जनवरी में तैयार हुई थी कार्ययोजना

पीएम जनमन योजना में शामिल विकास कार्य अब किए जाएंगे शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में चार माह पूर्व संचालित जनमन योजना अंतर्गत पिछड़ी जनजाति क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए जनवरी माह में चलाए गए जनमन अभियान अंतर्गत पहुंच मार्ग का निर्माण और प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किया गया था, किंतु चार माह तक इन कार्य योजनाओं पर अमल नहीं हो सका था। आचार संहिता की वजह से तैयार प्रस्ताव की फाईल पर कोई कार्य नहीं हुआ।

खास बात

- पहुंच मार्ग के साथ पीएम आवास हुए स्वीकृत

बरसात के पूर्व पिछड़ी जनजाति क्षेत्रों में पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना प्रकोष्ठ को एजेंसी बनाया गया है। जिसके द्वारा सर्वे के दौरान अति दुर्गम इलाके में निवास करने वाले जनजातियों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए पहुंच मार्ग बनाने का निर्णय लिया गया। इन क्षेत्रों तक पहुंच मार्ग का निर्माण न होने से खाद्यान्न के भंडारण तक सही समय पर नहीं हो पाता था। परिणाम स्वरूप ऐसे क्षेत्रों में समय पर खाद्यानों का वितरण नहीं होने की शिकायतें जिला मुख्यालय तक पहुंचा करती थी। इनके अलावा ऐसे क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट की भी दरकार बनी हुई है।

कारीमाटी, राजाडीह पहुंच विहीन

पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम कारीमाटी पसान मार्ग में स्थित है। आमतौर पर यह गांव सड़क से नजर नहीं आता, केवल एक बोर्ड लगा हुआ है। जिसे आसपास गांव होने की जानकारी मिलती है। कारीमाटी गांव की स्थिति ऐसी है कि मुख्य मार्ग से लगभग डेढ़ किलोमीटर नीचे यह गांव बसा हुआ है। वन विभाग ने इस गांव तक जाने के लिए पहाड़ी को काटते हुए ऊपर पहुंच मार्ग से लेकर नीचे तक मिट्टी की सड़क का निर्माण किया था। इसी तरह करतला विकासखंड के अंतर्गत आने वाला राजाडीह ग्राम कुदमुरा के समीप स्थित है। जहां तक पहुंचने के लिए नाले को पार करना पड़ता है, जिसमें पुल निर्माण की आवश्यकता स्थानीय ग्रामीणों ने जताई है।

22 क्षेत्रों में पहले होगा काम

सर्वे अभियान के तहत पांचों विकासखंड के अंतर्गत 22 जनजाति क्षेत्र ऐसे आए हैं जो जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में बसे होने के साथ दुर्गम इलाके में स्थित है, जहां पहुंचने के लिए पैदल मार्ग ही उपलब्ध रहता है। लोकसभा चुनाव के दौरान जिला मुख्यालय से 115 किलोमीटर दूर अमझर जैसे गांव सामने आए थे। जहां पहुंच मार्ग के लिए भी ग्रामीणों का इंतजार करना पड़ रहा है। कलेक्टर अजीत वसंत ने ऐसे दुर्गम इलाकों में पैदल चलकर चुनावी तैयारियों का जायजा लिया था, उस दौरान इन क्षेत्रों में सड़क निर्माण की प्राथमिकता बताई गई थी। आचार संहिता समाप्त होने के बाद इन क्षेत्रों में पहुंच मार्ग का काम सबसे पहले किया जाएगा।

जल्द शुरू होंगे काम

पिछड़ी संरक्षित जनजाति के बसाहट क्षेत्रों में जल्द ही पहुंच मार्ग निर्माण के साथ अन्य कार्य शुरू होने वाले हैं। ऐसे बसाहटों का चयन कर लिया गया है, गर्मी में यहां भ्रमण भी किया गया है।

- श्रीकांत कसेर
सहायक आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग

हालांकि वन क्षेत्र होने के कारण इन क्षेत्रों में सोलर पैनल पूर्व में लगाए गए हैं, जिनसे इन ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर लाइट का प्रकाश पहुंचा है। सड़क मार्ग के निर्माण को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी प्राथमिकता में लिया है। इसके लिए विकासखंडवार सर्वे का कार्य किया गया था। विकासखंड पोड़ी-उपरोड़ा जिले का सबसे बड़ा विकासखंड होने के कारण समस्या ग्रस्त है। जहां पहुंच मार्ग को लेकर पूर्व में भी जनपद पंचायतों में प्रस्ताव पारित हुए थे।

बाइक व माल वाहक ऑटो में भिड़ंत जीजा साले की मौके पर मौत

घायल का उपचार करती चिकित्सक।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

कटघोरा नगर के कसनिया के पास दोपहर लगभग 2 बजे तेज़ रफ़्तार बाइक सवार विपरीत दिशा से आ रहे माल वाहक ऑटो से जा भिड़े, यह भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि इस हादसे में बाइक सवार दो लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

कटघोरा थाना क्षेत्र के ग्राम कसनिया के पास बुधवार दोपहर 2 बजे के आसपास ग्राम मल्दा निवासी मनीष चौहान व उसका साला संतोष चौहान चांपा के मोटर सायकल से निकले और कटघोरा अहिरन नदी कसनिया के पास विपरीत दिशा से आ रही माल वाहक ऑटो से जा भिड़े। घटना को देखने वालों ने बताया कि बाइक सवार युवक काफी तेज रफ्तार में जा रहे थे ऑटो को देख वे अपना नियंत्रण खो बैठे और माल वाहक ऑटो से जा भिड़े। इस हादसे में दोनों ही युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। स्थानीय लोगों के द्वारा डायल 112 तथा कटघोरा थाना में तत्काल सूचित किया गया। मौके पर पहुंची डायल 112 ने दोनों मृतक के शव को कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जानकारी अनुसार दोनों मृतक रिश्ते में जीजा और साला हैं। मनीष चौहान ग्राम मल्दा का रहने वाला था और इस समय वो चांपा अपने ससुराल में रहकर वहां काम करता था। मृतक मनीष चौहान अपने साले संतोष चौहान के साथ ग्राम मल्दा घूमने आया हुआ था और बुधवार को चांपा वापस जाने के लिए निकले थे लेकिन कटघोरा कसनिया के पास सड़क हादसे का शिकार हो गए। इस घटना से दोनों के परिवार में मातम की पसर गया है। फिलहाल कटघोरा पुलिस ने दोनों मृतको का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस घटना पर मामला दर्ज कर विवेचना में जुट गई है।

धरना प्रदर्शन और रैली के लिए प्रशासन की अनुमति जरूरी

अधिकारियों की बैठक लेती प्रभारी कलेक्टर।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

आयुक्त नगर निगम एवं प्रभारी कलेक्टर श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले में कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने जिले में कानून व्यवस्था कायम रखने अधिकारियों के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में बिना अनुमति के धरना प्रदर्शन, रैली-जुलूस आदि ना किए जाएं। असामाजिक गतिविधियों पर पुलिस एवं प्रशासन की पैनी नजर रखी जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी आपसी समन्वय एवं तालमेल से सौहार्दपूर्ण वातावरण में स्थानीय समस्याओं धार्मिक मुद्दों आदि को गंभीरता से सुलझाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि अनुविभागीय अधिकारी एवं एसडीओपी आपसी समन्वय से सामाजिक प्रतिनिधियों की बैठक लेकर सौहार्द्र पूर्ण माहौल में स्थानीय मुद्दों का निराकरण करें, कहीं पर भी संवाद शून्यता नहीं होना चाहिए। बैठक में आईपीएस अधिकारी रविंद्र मीणा, एडिशनल एसपी यूबीएस चौहान, नेहा वर्मा, अपर कलेक्टर दिनेश कुमार नाग, अनुपम तिवारी, डिप्टी कलेक्टर विकास चौधरी, डीएसपी बी मिंझ, प्रतिभा मरकाम, एसडीएम कटघोरा सरोज महिलांगे, तहसीलदार राहुल देव पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत डोकरमना में विद्यालय शुरू करने की मांग

कोरबा। ग्राम पंचायत डोकरमना के आश्रित ग्राम तेलारबहर के नाम से प्राथमिक शाला स्कूल संचालित था, जो अब बंद है। जिसके संचालन की मांग ग्राम पंचायत डोकरमना के सरपंच सहित ग्रामीणों ने कलेक्टर से की है। सरपंच द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि ग्राम डोकरमना के अन्तर्गत तेलारबहर के नाम से बहुत पहले प्राथमिक शाला स्कूल संचालित था। मगर 2 वर्षों से बंद हो गया है। तेलार बहर के ग्रामीणों के बच्चो को नदी नाला पार कर कई किलोमीटर दूर स्कूल जाना पडता है। जिससे नदी नाले में पानी बढ़ जाने से बच्चे पढ़ाई से वंचित हो जाते है और हर रोज स्कूल नहीं जा पाते है। गांव से ही कई किलोमीटर स्कूल होने से बच्चों को माता पिता के द्वारा भी स्कूल नहीं भेजा रहा है,। उक्त गांव में बच्चों की संख्या 35 है, जिससे शिक्षा से वंचित हो रहे हैं तथा शासन के नियमानुसार हर बच्चों को स्कूल शिक्षा देना अनिवार्य है। परंतु शासन प्रशासन स्कूल को बंद कर बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है। शिक्षक के द्वारा बोला गया था कि स्कूल को 16 जून से चालू किया जावेगा। अभी तक स्कूल में ना तो मरम्मत कार्य शुरू हुआ है और ना ही स्कूल अभी तक खुली है।

कटघोरा पुलिस ने छुरी में नाकेबंदी कर चलाया सघन जांच अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कटघोरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत छुरी धनरास मोड़ पर पुलिस के द्वारा नाकाबंदी करने के साथ विशेष अभियान को चलाया गया। पुलिस की टीम ने थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी के नेतृत्व में वाहनों को रूकवाकर जांच की। चालकों की स्थिति को जानने के लिए एल्कोमीटर का उपयोग किया गया। इस दौरान एक जेसीबी चालक, दो ट्रैक्टर चालक और तीन दोपहिया चालक शराब के नशे में पाए गए। जांच करने पर इन मामलों में शराब का स्तर निर्धारित पैरामीटर से अधिक पाया गया। इसे यातायात नियमों का उल्लंघन मानते हुए पुलिस ने चालकों के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया। कटघोरा पुलिस ने छुरी के नजदीक झोराघाट में अभियान के अंतर्गत ऐसी कार्रवाई की और 8 गाड़ियों को जब्त किया। जिनके चालक नशे में पाए गए, उन पर भी 185 का मामला दर्ज किया गया। जबकि सार्वजनिक स्थान में शराब पीने वाले लोगों पर आबकारी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान 6 वाहन चालक नशे की हालत में मिले जिन पर धारा 185 के तहत कार्यवाही की गई।

कार्यवाही करती पुलिस विभाग की टीम।

खास बात

- 6 वाहनों पर की मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही

यातायात नियमों का करें पालन

यातायात नियम वाहन चालकों के साथ-साथ सड़कों पर चलने वाले अन्य लोगों के हितों के लिए है। इसलिए अपेक्षा की जाती है कि वाहन चालक नियम का पालन करें। उनकी लापरवाही से खुद के साथ-साथ दूसरों के जीवन पर संकट की संभावना होती है। ऐसे किसी भी प्रकरण में कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

- डीएन तिवारी, टीआई कटघोरा

बाल श्रम निषेध दिवस पर शिविर में दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

सांस्कृतिक भवन कटघोरा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के मार्गदर्शन में आयोजित विश्व बाल श्रम निषेध दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें व्यवहार न्यायालय कटघोरा से न्यायाधीश श्रीमती श्रद्धा शुक्ला शर्मा अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति कटघोरा एवं न्यायाधीश श्रीमती मधु तिवारी व न्यायाधीश सुश्री रूपल अग्रवाल और पैरालीगल वालेंटियर्स रवि शंकर सागर, आरती मंगेशकर, तलवीर सिंह, रवि शंकर सोनी, रमा साहू, प्रद्युम यादव व 50 जनसमूहों की उपस्थित उक्त शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी व नगरवासी।

शिविर में बताया गया कि बाल और किशोर श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम 1986 भारत की संसद और श्रम व रोजगार मंत्रालय द्वारा 23 दिसम्बर 1986 को एक अधिनियमित एक कानून बना है। जिसमें 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को बाल श्रम कहा गया है जिससे तहत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे को रोजगार श्रम नहीं कराया जा सकता। न्यायाधीश श्रीमती मधु तिवारी ने बताया कि अधिनियम कुछ निर्दिष्ट खतरनाक व्यवसायों और प्रक्रियाओं में बच्चों के रोजगार पर प्रतिबंध लगाता है और अन्य स्थलों पर कामकाजी परिस्थितियों को नियंत्रित करता है।

उमस भरी गर्मी ने बिजली की खपत में किया 30 प्रतिशत का इजाफा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

गर्मी के समय जिले में बिजली की खपत 220 मेगावॉट तक हो रही है। सामान्य दिनों में बिजली की खपत 160 से 170 मेगावॉट तक होती है। गर्मी के समय 190 मेगावॉट तक पहुंचती है लेकिन इस बार 30 प्रतिशत से अधिक खपत हो रही है। इसका मुख्य कारण गर्मी का कम नहीं होना है। बिजली खपत बढऩे की वजह से ट्रिपिंग की समस्या आ रही है। लोड बढऩे से रोज ट्रांसफार्मर जल रहे हैं। क्योंकि दिन-रात एसी-कूलर घरों और प्रतिष्ठानों में चल रहे हैं। बिजली बंद की समस्या का भी सामना विद्युत वितरण कंपनी को करना पड़ रहा है।

सोमवार को हुई तेज बारिश के बाद रात में लोगों को गर्मी से निजात मिल गई थी। मंगलवार को भी धूप-छाव के खेल से गर्मी का अहसास कम हुआ लेकिन अब उमस लोगों को व्याकुल कर रही है। बुधवार को भी गर्मी ने बेहाल किए रखा। इससे राहत अब तभी मिलेगी तब लगातार बारिश होगी। फिलहाल जिसकी संभावना अभी नजर नहीं आ रही है। मौसम विभाग भी अब लगातार बारिश की संभावना नहीं जता रहा है। बीच-बीच में जरूर हल्की और मध्यम बारिश होने की संभावना जताई जा रही है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवसः निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा बच्चों का मौलिक अधिकार

बच्चों का स्वतंत्र परिस्थितियों में गरिमा के साथ विकास होः डिंपल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

सत्येन्द्र कुमार साहू प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर श्रम कल्याण केन्द्र, जुनियर क्लब सीएसईबी कॉलोनी दर्री कोरबा में विधिक जागरूकता का कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कु. डिम्पल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के द्वारा बाल श्रम निषेध दिवस मनाये जाने के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुये बताया गया कि वर्ष 1973 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन अभिसमय संख्या 138 बाल मजदूरी को 15 वर्ष से कम उम्र के किसी व्यक्ति द्वारा किये गये किसी आर्थिक गतिविधियों का उल्लेख करता है। बालकों के मौलिक अधिकार के संबंध में जानकारी देते हुये कहा गया कि संविधान में 6 वर्ष से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों के लिये निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराया जाने के संबंध में प्रावधानिक किया गया है। निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा हेतु बच्चों का अधिकार अधिनियम 2009, 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिये निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान करता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 24 में कारखाने आदि में बच्चों को काम पर लगाये जाने का निषेध किये जाने के संबंध में बताया गया कि 14 वर्ष से कम उम्र के किसी भी बच्चे को कारखाने, खदान में अथवा अन्य जोखिम भरे रोजगार में कार्य करने हेतु नियुक्त नहीं किया जावेगा। संविधान में प्रावधानित राज्य द्वारा अपनाई जाने वाली नीति निर्देशक सिद्धांत के अंतर्गत मजदूरों, पुरूषों एवं महिलाओं तथा कम उम्र के बच्चों को स्वास्थ्य तथा शक्ति का दुरूपयोग न हो तथा आर्थिक आवश्यकताओं से मजबूर होकर नागरिक ऐसे व्यवसायों में प्रवेश करने के लिये विवश न हों, जो उनकी उम्र एवं शक्ति के अनुकुल नहीं है, तथा बच्चों को स्वस्थ तरीके से तथा स्वतंत्र परिस्थितियों में गरिमा के साथ विकास के लिये अवसर एवं सुविधाऐं दी जायें, तथा शोषण से बचपन एवं युवावस्था की रक्षा किये जाने का दायित्व राज्य को सुनिश्चित किया जाना है। जिसके संबंध में राज्य द्वारा समय-समय पर बच्चों के संबंध में कानून में संशोधन किया जाता रहा है। मौलिक दायित्व संबंधी संविधान उल्लेख करता है कि भारत के प्रत्येक नागरिक जो माता-पिता अथवा अभिभावक का दायित्व है कि वह 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को शिक्षा के लिये अवसर प्रदान करें।

कार्यशाला में उपस्थित विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व सदस्य।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना
हरिभूमि
प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल
काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780